पेसा कानून के तहत गाँव विकास नियोजन विलेज प्रोफाइल

रागेला



गाँव - रागेला पंचायत- रागेला तहसील- दोवड़ा जिला- डूंगरपुर, राजस्थान

रागेला गाँव का परिचय

रागेला गाँव रागेला ग्राम पंचायत का राजस्व गाँव है । रागेला गाँव जिला मुख्यालय डूंगरपुर से 20 किलोमीटर दूर उत्तर दिशा में स्थित है । रागेला गाँव की सीमा के उत्तर में नया गाँव, पूर्व में पुनाली, पश्चिम में नरणिया, दक्षिण में हड़मतिया गाँव है ।

राजस्व गाँव रागेला में 4 फले है -

- 1. आसेला फला
- 2. टामडवेला फला
- 3. ओडा फला
- 4. बटीकड़ा फला

रागेला गाँव में 07 जून, 2018 को शिलालेख हुआ है उसी दिन गाँव सभा और शांति समिति का गठन कर दिया गया । गाँव में करीब 500 घर है जिनकी आबादी करीब 2500 है। गाँव के लोग दूर-दूर छोटे समूहों में अपने खेतों के पास बसे हुए है । जहां आने जाने के लिये 4 छोटी पक्की सड़के, 8 सी.सी. सड़के और 4 कच्ची सड़के है । गाँव में एस.टी. जाति के "परमार, ननोमा और दाईया" उपजातियों के लोग रहते है । इनके अलावा गाँव में पाटीदार समाज के परिवार है जो गाँव की मुख्य रोड़ के किनारे के फलों में घर बना कर रह रहे है । शिलालेख होने के बाद से लगातार गाँव में पेसा कानून को लेकर वागड़ मजदूर किसान संगठन के द्वारा बैठके एवं कार्यशालाओं का आयोजन किया जा रहा है और जागरूकता कार्यक्रम चलाये जाते रहे है । गाँव के ज्यादातर लोगों को राजस्थान सरकार के पेसा कानून के नियमों और अधिकारों की जानकारी है । हर माह निश्चित तारीख को गाँव सभा की बैठक की जाती है । गाँव की कुल जमीन 349 हेक्टेयर है जिसमे कृषियोग्य जमीन, बिलानाम जमीन, चारागाह और जंगल की जमीन शामिल है । गाँव का जंगल, बिलानाम जमीन पर वन विभाग और सरकार का कब्ज़ा है । गाँव की चारागाह की जमीन गाँव के कब्ज़ में है । गाँव की पूर्व दिशा की ओर बड़े पहाड़ है जिनसे पत्थर निकाला जाता है, गाँव के लोग काम में लेते है ।

आवागमन की स्थिति

रागेला गाँव के बीच से होकर डूंगरपुर - आसपुर रोड़ गुजरती है । गाँव की अधिकतर जमीन समतल है इसलिए यहाँ सड़क व्यवस्था भी ठीक है । गाँव में चार पक्की डामरीकृत सड़के है, जो मुख्य सड़क से गाँव के चारों दिशाओं में है । दो पक्की सड़के क्षतिग्रस्त होकर ख़राब हो गयी है उनमे गड़डे हो गये है । गाँव में 8 सी.सी. सड़के है जो गाँव के फलों को जोड़ती है । लेकिन सभी सी.सी. सड़कों में दरारें पड़ गयी है और नालियाँ टूट गयी है । जहाँ सी.सी. सड़कों की पहुँच नहीं बन पायी है वहाँ 4 कच्ची सड़क है । गाँव के मुख्य सड़क पर एक बस स्टैंड है जहाँ से प्राइवेट बस, ऑटो और जीप दूसरे गाँवो में जाने के लिए मिल जाते है । लेकिन गाँव के फलों में केवल नीजी वाहन जैसे मोटर साइकिल या पैदल जाया जाता है। खरीदारी के लिए मुख्य बाजार पुनाली 3 किमी और डूंगरपुर 20 किमी दूर है, जहां पर सभी प्रकार की घरेलू खरीदारी के अलावा शादी-ब्याह और त्यौहारों की खरीदारी की जाती है।

शिक्षा

गाँव में एक प्राथमिक विद्यालय, एक उच्च प्राथमिक विद्यालय और एक उच्च माध्यमिक विद्यालय है। प्राथमिक तथा उच्च प्राथमिक विद्यालय भवन जर्जर हो गये है और कमरों की कमी, अध्यापकों की कमी

और बैठने के लिए कक्षाओं में दरी-पट्टी नहीं है । अध्यापक की कमी के कारण दो कक्षाओं को एक साथ बैठा कर पढ़ाया जाता है । जिससे बच्चों की शिक्षा प्रभावित हो रही है और गुणवता में कमी है । उच्च माध्यमिक विद्यालय में भी पूरे अध्यापकों की नियुक्ति नहीं की गयी है और स्कूल में छत की मरम्मत की आवश्यकता है, खेल के मैदान की बाउन्ड्री टूटी हुई है तथा शौचालयों में पानी की व्यवस्था नहीं है । तीनों ही विद्यालयों में बच्चों के पीने के लिए साफ पानी हेतु आर.ओ. नहीं लगा है । गाँव में पानी में फ्लोराइड की मात्रा बहुत ही ज्यादा है । गाँव के सभी बच्चे स्कूल जाते है । गाँव में 2 आंगनवाडी है ।

स्वास्थय

गाँव में उपस्वास्थ्य केन्द्र नहीं है, इसके लिए नरिणया जाना पड़ता है। सरकारी हॉस्पीटल गाँव से 3 किमी दूर पुनाली में है। जिसके लिये टेम्पो या 108 की सुविधा है। बडा हॉस्पीटल 20 किमी दूर डूंगरपुर में है। पालतू जानवरों के इलाज के लिए पशु अस्पताल भी पुनाली गाँव में है।

सरकारी योजनाएँ

गाँव के सभी घरों में बिजली है। गाँव में 4 बिजली के ट्रांसफार्मर है। गाँव में 150 परिवारों को प्रधानमंत्री आवास और 50 मुख्यमंत्री आवास योजना का लाभ मिला है। गाँव में पेंशन योजना, उज्ज्वला गैस कनेक्शन, मनरेगा, भामाशाह योजना, शौचालय जैसी सरकारी योजनायें लागू है। गाँव में लगभग 100 घरों को उज्ज्वला गैस योजना के तहत चूल्हा और गैस सिलेन्डर उपलब्ध करा दिया गया है।

कृषि और रोजगार की स्थिति

गाँव में कृषि की ज्यादातर जमीन समतल है जो पाटीदार समाज के लोगों के पास है, बाकी की कृषि जमीन उबड़-खाबड़ और पथरीली है जिस पर आदिवासी खेती करते हैं । गाँव में खेती में गेंहू, मक्का, उडद, मूंग और चना की पैदावार होती है । लेकिन यह केवल चार या पांच माह खाने तक का ही हो पाता है। फिर बाजार से या राशन की दुकान से खरीदकर लाना पड़ता है ।

गाँव में रोजगार की स्थिति ख़राब है, रोजगार के नाम पर मनरेगा का काम गाँव में चलता है जिसमे महिलायें ज्यादा जाती है क्योंकि मनरेगा में न तो 100 दिन काम मिलता है न ही पूरी मजदूरी मिलती है इसलिए पुरुष बाहर जाकर कड़िया मजदूरी करते है या डूंगरपुर शहर में काम की तलाश में जाते है और कुछ लोग गुजरात में अहमदाबाद, मोडासा, हिम्मतनगर जाते है, जहां वे खेतों में तथा फेक्ट्री में काम करते है। कई बार शहर में काम ना मिलने पर खाली हाथ घर जाना पड़ता है। गाँव के पाटीदार समाज के लोग खेती करने के साथ ही जनरल स्टोर की द्कान भी चलाते है।

सिंचाई के पानी की स्थिति

सिंचाई के लिए पानी बारिश के बाद तीन माह के लिए ही मिल पाता है। सिंचाई के लिए 2 छोटे तालाब और 1 बड़ा तालाब है, जिसमे बारिश में 2 नालों से पानी की आवक होती है। एक तालाब गाँव की गंदगी और नालियों के पानी जमा होने से किसी उपयोग में लेने लायक नहीं रह गया है। 2 बरसाती नाले है जिन पर 5 छोटे कम ऊंचाई के एनिकट बनाये गये है। पांचो एनीकट पुराने बने हुए है और अब जर्जर हो गये है। उनसे पानी रिस कर बह जाता है। 20 कुएं है जिसमे से 10 कुएं सालभर पानी उपलब्ध कराते है, इनमे से पांच कुएं सार्वजनिक है। गाँव में पाटीदार समाज के लोगो ने निजी बोरवेल भी खुदवाये है, लेकिन सभी जल-स्रोत मध्य ग्रीष्म ऋतु में सूख जाते है। गर्मी में पानी का जल स्तर 200 फीट से नीचे चला जाता है और पानी की कमी हो जाती है।

रागेला गाँव की चिन्हित समस्याओं का विवरण प्राकृतिक संसाधन

गांव में जंगल, बिलानाम जमीन वन विभाग और सरकर के कब्जे में है । आज से 50-60 साल पहले गाँव के पहाड़ो और चारागाह में जंगल काफी फैला हुआ था । पहले छोटी बड़ी सभी पहाड़ियाँ हरी-भरी थी और उनपर सागवान, गोंद, आवला, महुआ के पेड़ थे, जंगल से चारा, लकड़ी, ढाक के पते, घास जैसी लघुवन उपज होती थी। जिसे गांव के लोग अपने उपयोग में लेते थे । लेकिन वन विभाग के कब्जे में जाने के बाद जंगल बर्बाद हो गया है । सागवान, महुआ के पेड़ खत्म हो गये है और पूरे जंगल में केवल बबूल के कटीले पेड़ है । जो ना गाँव के लोग जलाने के काम में ले सकते है ना अन्य किसी काम में । जंगल की जमीन भी अब बहुत कम बची है । गांव के जंगल को अपने कब्जे में लेने के लिये अभी तक सामुदायिक वन अधिकार पत्र लेने की फाइल नहीं लगायी गयी है। गाँव के पहाड़ में पत्थर मिलते है जिन्हें लोग मकान बनाने और खेतों की चारदिवारी बनाने के लिए ले जाते है ।

भूमि व जल प्रबंधन की कमी

गाँव में ज्यादातर व्यक्तियों को उनके कब्जे की जमीन के व्यक्तिगत पट्टे नहीं मिले है । गाँव की चारागाह की जमीन पर लोगों ने अपना घर और खेत बना कर कब्ज़ा कर लिया है, छोटी-छोटी डुंगरियों पर भी लोगों ने कब्ज़ा कर रखा है। गाँव में जिन लोगों के पास खातेदारी हक है वो न्यूनतम दो बीघा और अधिकतम पांच बीघा भूमि का है । आबादी बढ़ने से भी जोत कम हो रही है । जमीन उबड़-खाबड़ और पथरीले होने के कारण खेतों को समतलीकरण की आवश्यकता है । खेतों में सिंचाई के पानी का संकट रहता है जिस कारण लोगों के खाने के लिए अनाज का उत्पादन पूरी तरह से बारिश पर ही निर्भर है । गाँव के तालाब, एनिकट जल्दी ही सूख जाते है क्योंकि गहराई कम होने और रिसाव के कारण सालभर पानी नहीं रहता है। गाँव में पानी का स्तर 200 फुट गहराई में चला गया है। गाँव में 20 कुएं है, जिसमें से 10 सूखे ही रहते है बाकी के 10 कुओं में गर्मी में पानी इतना ही बचता है कि पश्ओं के लिए पीने के पानी की व्यवस्था हो जाती है । पांच कुएं सार्वजनिक है जिसका पानी गाँव के सभी लोग काम में लेते है। बाकी के पांच क्एं लोगों के खेतों में है जिनसे सिंचाई की जाती है। गाँव में 20 हैंडपंप है। जिनमें से 10 हैंडपंप सूखे ही रहते है, बाकी के 10 हैंडपंपों से पूरे साल पीने का पानी मिल जाता है। लेकिन पीने के पानी में आयरन और फ्लोराइड की मात्रा काफी ज्यादा है जिस कारण लोगों को फ्लोरोसिस नामक गंभीर बिमारी हो रही है। गर्मी में पानी इतना गहराई में उतर जाता है कि बोरवेल में भी पानी कम या बंद हो जाता है। वर्षाजल को संरक्षित करने के विषय में गाँव के लोगों ने कोई ध्यान नहीं दिया है न ही पंचायत और सरकार इस समस्या की ओर ध्यान दे रही है।

आवागमन की समस्या

रागेला गाँव के बीच से होकर डूंगरपुर - आसपुर रोड़ गुजरती है। गाँव में चार पक्की डामरीकृत सड़के और भी है, जो मुख्य सड़क से गाँव के चारों दिशाओं में है। दो पक्की सड़के क्षतिग्रस्त होकर ख़राब हो गयी है उनमे गड्डे हो गये है। गाँव में 8 सी.सी. सड़के है लेकिन सभी सी.सी. सड़कों में दरारें पड़ गयी है और नालियाँ टूट गयी है। जहाँ सी.सी. सड़कों की पहुँच नहीं बन पायी है वहाँ 4 कच्ची सड़क है। लेकिन कहीं पर भी इन रास्तों पर गर्मी में पीने के पानी के लिए कोई हैंडपंप की सुविधा नहीं है। बारिश में सभी रास्ते कीचड़ के नाले में परिवर्तित हो जाते है जिससे लोगों को आने जाने में समस्या हो जाती

है। गाँव के मुख्य सड़क पर एक बस स्टैंड है जहाँ से प्राइवेट बस, ऑटो और जीप दूसरे गाँवो में जाने के लिए मिल जाते है। लेकिन गाँव के फलों में केवल नीजी वाहन जैसे मोटर साइकिल या पैदल जाया जाता है।

शिक्षा एवं स्वास्थ्य की स्थिति

गाँव में एक प्राथमिक विद्यालय, एक उच्च प्राथमिक विद्यालय और एक उच्च माध्यमिक विद्यालय है। प्राथमिक तथा उच्च प्राथमिक विद्यालय भवन जर्जर हो गये है और कमरों की कमी, अध्यापकों की कमी और बैठने के लिए कक्षाओं में दरी-पट्टी नहीं है। अध्यापकों की कमी के कारण दो कक्षाओं को एक साथ बैठा कर पढ़ाया जाता है। जिससे बच्चों की शिक्षा प्रभावित हो रही है और गुणवत्ता में कमी है। उच्च माध्यमिक विद्यालय में भी पूरे अध्यापकों की नियुक्ति नहीं की गयी है और स्कूल में छत की मरम्मत की आवश्यकता है, खेल के मैदान की बाउन्ड्री टूटी हुई है तथा शौचालयों में पानी की व्यवस्था नहीं है। तीनों ही विद्यालयों में बच्चों के पीने के लिए साफ पानी हेतु आर.ओ. नहीं लगा है। गाँव और पंचायत की ओर से इस समस्या को लेकर गंभीरता नहीं है। अक्सर बच्चे अपनी पढ़ाई बीच में छोड़ कर रोजगार में जुट जाते है।

गाँव में 2 आंगनवाड़ी है, एक आंगनवाड़ी की छत से पानी टपकता है, शुद्ध पीने के पानी की व्यवस्था, शौचालय और छोटे बच्चों के अक्षर ज्ञान के लिए पठन-सामग्री भी नहीं है । दूसरी आंगनवाड़ी गाँव के सामुदायिक भवन में संचालित की जा रही है । इन कारणों से गाँव के बच्चे आंगनवाड़ी कम ही जाते है । गाँव में उपस्वास्थ्य केन्द्र नहीं है, इसके लिए 2 किमी दूर नरणिया जाना पड़ता है । सरकारी हॉस्पीटल गाँव से 3 किमी दूर पुनाली में है। जिसके लिये टेम्पो या 108 की सुविधा है। बड़ा हॉस्पीटल 20 किमी दूर डूंगरपुर में है।

पशुपालन संबंधित समस्या

गाँव में गाय, बैल, भैंस व बकरी पालन किया जाता है। पर्याप्त मात्रा में बारिश न होने के कारण खेतों में पशुओं के लिए प्याप्त मात्रा में चारा भी नहीं उगाया जा सकता है। जो भी चारा बारिश के माह में होता है वह केवल चार या पांच माह ही चल पाता है उसके पश्चात खरीद कर लाना पडता है। पर्याप्त और पौष्टिक पशु आहार के अभाव में दूधारू पशु दूध भी कम देते है। गाय 1 लीटर और भैंस ढाई लीटर ही दूध देती है। दूधारू पशु भी अच्छी नस्ल के नहीं है। चारे की एक पुली या गटठर सात रूपये में खरीदते है।

कृषि एवं खाद्यान्न की स्थिति

गाँव में कृषि की ज्यादातर जमीन समतल है जो पाटीदार समाज के लोगों के पास है, बाकी की कृषि जमीन उबड़-खाबड़ और पथरीली है, जो आदिवासियों के पास है। गाँव में खेती में गेंहू, मक्का, उडद, मूंग और चना की पैदावार होती है। गाँव के तालाब, एनिकट जल्दी ही सूख जाते है क्योंकि गहराई कम होने और रिसाव के कारण सालभर पानी नहीं रहता है। खेतों में सिंचाई के पानी का संकट रहता है जिस कारण लोग खाने के लिए अनाज का उत्पादन पूरी तरह से बारिश पर ही निर्भर है। यह केवल चार या पांच माह खाने तक का ही हो पाता है। गाँव में पाटीदार समाज के लोगों ने सिंचाई के लिए निजी बोरवेल भी खुदवाये है, वे मोटर के जरिये पानी निकाल कर फसल का उत्पादन करते है। लेकिन सभी जल-स्रोत मध्य ग्रीष्म ऋतु में सूख जाते है। गर्मी में पानी का जल स्तर 200 फीट से नीचे चला जाता

है और पानी की कमी हो जाती है । कृषि उपज के समाप्त होने के बाद खाद्यान्न के लिए बाजार या राशन की दुकान पर निर्भर होना मजबूरी है ।

गाँव में राशन की दुकान नहीं है, इसके लिए नरणिया जाना पड़ता है। राशन की दुकान पर सरकारी आदेशानुसार जब तक घर में शौचालय नहीं बन जाता तब तक राशन नहीं दिया जाता, पाँस मशीन में फिंगरप्रिंट ना आना या इन्टरनेट कनेक्टिविटी की भी समस्या रहती है कई बार तो लोगो को बार बार अपनी दिहाड़ी मजदूरी छोड़ कर लाइन में लगना मज़बूरी रहती है। राशन की दुकान पर गेहूं के अलावा कुछ नहीं मिलता है। खेती में अधिकं रासायनिक खाद का उपयोग और सिचाई के पानी में ज्यादा खारापन होने के कारण जमीन कठोर हो गयी है और उत्पादन घट गया है।

आजिविका एवं रोजगार के साधनों की कमी

गाँव में रोजगार की स्थिति ख़राब है, रोजगार के नाम पर मनरेगा का काम गाँव में चलता है जिसमे महिलायें ज्यादा जाती है क्योंकि पुरुष बाहर जाकर किड़या मजदूरी करते है या डूंगरपुर शहर में आते है और गुजरात में अहमदाबाद, मोडासा, हिम्मतनगर जाते है, जहां वे खेतों में तथा फेक्ट्री में काम करते है। कई बार शहर में काम ना मिलने पर खाली हाथ घर जाना पड़ता है। गांव के अधिकतर युवा गुजरात राज्य के अहमदाबाद, हिम्मतनगर, सूरत, मोडासा या महानगर बम्बई में मजदूरी करने के लिये जाते है। अभी मनरेगा में जो मजदूरी दी जा रही है वह भी 100 रूपये तक ही दी जाती है। कुछेक लोगों को काम करने के बाद मस्टरोल के रूपये नहीं मिलते है। रोजगार के साधनों के अभाव के पीछे मुख्य कारण अच्छी तकनीकी शिक्षा नहीं मिलना और उन्नत खेती के प्रशिक्षण का अभाव है।

गाँव में उपलब्ध संसाधन, उनकी हालत और संभावनाएं-

and of 5 those (thirde), 50 th great one tondone				
संसाधन	हालत	सम्भावना		
जल	गाँव का भू जलस्तर 200 फीट नीचे	फ्लोराइड मुक्त पेयजल के लिए गाँव में		
नाला	चला गया है । 2 बरसाती नाले है जिन	अच्छे कुएं और हैंडपंप पर आर.ओ. प्लांट		
एनिकट	पर 5 छोटे कम ऊंचाई के एनिकट बनाये	लगवाना । नालों की रिन्गवाल बनाकर		
तालाब	गये है । पांचो एनीकट पुराने बने हुए है	खेतों के बीच में पानी के लिए छोटे पक्के		
कुआं	और अब जर्जर हो गये हैं । उनसे पानी	गड्डे बनाना ताकि सिंचाई के लिए पानी		
हैण्डपम्प	रिस कर बह जाता है। गाँव में 2 छोटे	को रोका जा सके । नालियों के जरिये गंदे		
बोरवेल	तालाब और 1 बड़ा तालाब है, जिसमे	पानी कों गाँव के बाहर बेकार जमीन पर		
	बारिश में 2 नालों से पानी की आवक	बड़ा गड्डा बना कर इक्ठटा किया जाये		
	होती है । एक तालाब गाँव की गंदगी	और और तालाब को गहरा करवा कर		
	और नालियों के पानी जमा होने से किसी	रिंगवाल बनाई जाये और जर्जर एनीकट		
	उपयोग में लेने लायक नहीं रह गया है ।	को मरम्मत उसकी ऊंचाई बढ़ाना । तो		
	गाँव में 10 चालू कुएं और 10 चालू	ज्यादा समय तक पानी रह सकता है तथा		
		सिचाई भी पूरी हो सकती है। गाँव में		

पलीराइड युक्त है । चालू कुओं के पानी से सिंचाई और मवेशियों के पानी के लिए ट्रेयिन से सिंचाई और मवेशियों के पानी के लिए ट्रेयिन से भी पानी कम हो जाता है। जमीन गाँव के आदिवासी लोगों के पास छोटी पहाडिया, उबड़-खाबड़, पथरीली जमीन हैं, वे के वाकर के टेगरी-पहाडिया, उबड़-खाबड़, पथरीली जमीन हैं, वे वामी जमीन, जंगल पर सरकार और योजना के तहत करवाकर उसे अधिक जंगल को अपने कहजे में लेने के लिये अभी तक सामुदायिक वन अधिकार पत्र ते जंगल को अपने कहजे में लेने के लिये अभी तक सामुदायिक वन अधिकार पत्र तेंगल को भाइल नहीं लगायी गयी है। जंगल को अपने कहजे में लेने के लिये अभी तक सामुदायिक वन अधिकार पत्र तेंगल घर थे। इब बहुत चारा, लकड़ी, टाक के पते औरी लघुवन उपजा होती है। जिसे गांव के लोग अपने उपयोग में लेते है। उत्राव के लोग अपने उपयोग में लेते है। तेंगल के भी कर बब्ल को हटाकर जंगल के पत्र वेंपिक महत्व हो गयी है उनमे गइड़े हो गये हैं। सभी सी.सी. सड़क में बदले जाये और दूटी सी.सी. सड़क के वालियाँ टूट गयी है और 4 कच्ची सड़क वालियाँ टूट गयी है और 4 कच्ची सड़क हैं। लेकन कहीं पर भी इन रास्तों पर गर्मी में पीने के पानी के लिए कोई हैं इंपंप की सुविधा नहीं हैं। बारिश में सभी रास्ते और कच्ची मिट्टी की सड़क वालियां जो में परिवर्तित हो जाते हैं जिससे लोगों को आने जाने में समस्या हो जाती हैं। सड़को बादियों में समस्या हो जाती हैं। सड़को वालियों को अवदाली का नुक्सान मरीजों और गर्भवर्ती महिलाओं को होता है और स्कूल जाने वाले बच्चों के परेशानी होती हैं। स्कूल प्राथिक तथा उच्च प्राथिक विद्यालय भवन कर पानी की ह्यादस्था करना। स्कूल में कर पानी के स्वार उच्च प्राथिक कर वाला। शौधालय की भी मरम्मत करवा कर पानी की ह्यादस्था करना। स्कूल में कर पानी की ह्यादस्था कर वाला। शौधालय की भी मरम्मत करवा कर पानी की ह्यादस्था कर सार कर सार कर लो कर पानी की ह्यादस्था कर सार कर लो कर पानी की ह्यादस्था कर सा। स्कूल में कर पानी कि ह्यादस्था कर सा। स्कूल में कर पानी की ह्यादस्था कर सा। स्कूल में कर पानी की स्वार वाला। शौधालय कर सा। स्कूल में कर पानी कर पानी कर पानी कर पानी कर पानी कर वाला। शौधालय कर सार कर साथ कर सा स्कूल में कर पानी की ह्या हो साथ है। साथ कर		<u> </u>	
लिये व्यवस्था की जाती है । गर्मी में वीरेवेल में भी पानी कम हो जाता है। जमीन कृषि भूमि विला नाम भूमि चरागाह वाता विशाग का अधिकार है। जंगल में उपजाऊ बनाया जा सकता है। गाँव के अधिकार के पेड़ है । गांव के उपजाऊ बनाया जा सकता है। गाँव की विलायती बबूल के पेड़ है । गांव के जंगल को अपने कब्जे में लेने के लिये अभी तक सामुदायिक वन अधिकार पत्र प्रेपण करना, लघुवनीपज से आय के लंगल से थोड़ा बहुत निर्मार पत्र हो। जंगल में साधन बनाए जा सकते हैं। जंगल को गांव के तोच अपने उपयोग में लेते हैं। जंगल से थोड़ा बहुत निर्मार पत्र हो। जंगल से गांव के अधिकार पत्र जंगल से थोड़ा बहुत निर्मार पत्र हो। जंगल को निर्मार पत्र होने के अधिकार जंगल से थोड़ा बहुत निर्मार पत्र हो। जंगल को गांव के लोग अपने उपयोग में लेते हैं। सडक दो पकि सड़के क्षितग्रस्त होकर ख़राब हो गांव के अधिन करना और लघुवन उपज होती है। जिसे गांव के लोग अपने उपयोग में लेते हैं। सड़क दो पकि सड़के क्षितग्रस्त होकर ख़राब हो गांव के सभी कच्चे रास्ते चौड़े करके हैं । गेंविक कहीं पर भी इन रास्तों पर गांव के सीतरी. सड़क में दरार पड़ गांवी है, निर्मा में सीनी के पानी के लिए कोई हैं उपप की सुविधा नहीं है । बारिश में सभी रास्ते और कच्ची मिट्टी की सड़क बारिश में पितर्तित हो जाते हैं जिससे लोगों को आने जाने में समस्या हो जाती है । सारश में साइको की बदहानी का नुकसान मरीजों और गर्भवती महिलाओ को होता है और स्कूल जाने वाले बच्चों को परेशानी होती है । सक्ल प्राथमिक तथा उच्च प्राथमिक विद्यालय स्कूलों की मरम्मत और नये कमरे विवाद कर्ल जारे हो गये हैं और कमरों की मरम्मत करवा । शौधालय की भी मरम्मत करवा		फ्लोराइड युक्त है । चालू कुओं के पानी	बरसात के पानी को ज्यादा से ज्यादा रोक
बोरेवल में भी पानी कम हो जाता है। जमीन कृषि भूमि विला नाम भूमि चरागाह पहाड़ विलायती बबूल के पेड़ है । गांव के उपजाऊ बनाया जा सकता है। गाँव की जंगल को अपने कब्जे में लेने के लिये अभी तक सामुदायिक वन अधिकार पत्र लेने की फाइल नहीं लगायी गयी है। जंगल से थोड़ा बहुत चारा, लकड़ी, ढाक के पीन जैसी लघुवन उपज होती है। जिसे गांव के लोग अपने उपयोग में लेते है। सइक कच्ची सड़क सी.सी. सड़क हो गयी है उनमें गड़ड़े हो गये है । सभी सी.सी. सड़क है । लेलिंग ही हो जाते है जिससे लोगों को आने जाने में समस्या हो जाती है । सड़क हो परितित हो जाते है जिससे लोगों को आने जाने में समस्या हो जाती है । सड़क को सुविधा नहीं है । बारिश में सभी रास्ते और कच्ची मिट्टी की सड़के बारिश में फिसलन भरी कीचड़ के नाले में परिवर्तित हो जाते है जिससे लोगों को आने जाने में समस्या हो जाती है । सड़क को बदहाली का नुकसान मरीजों और गर्भवती महिलाओं को होता है और स्कूल जाने वाले बच्चों को परेशानी होती है । सक्क स्वान जर्जर हो गये है और कमरों की साम उपन्मत अंतर नये कमरे स्कूल प्राथमिक स्कूल		से सिंचाई और मवेशियों के पानी के	कर, कुएं रिचार्ज करके जल स्तर ऊंचा
जमीन कृषि भूमि विला नाम भूमि चरागह वन विभाग का अधिकार है। जंगल में पहाड़िया, उबड़-खाबड़, पथरीली जमीन है, वेनामी जमीन, जंगल पर सरकार और चरागह वन विभाग का अधिकार है। जंगल में जंगल जंगल को अपने कब्जे में लेने के लिय अभी तक सामुदायिक वन अधिकार पन लेने की फाइल नहीं लगायी गयी है। जंगल से थोड़ा बहुत चारा, लकड़ी, ढाक के पते जैसी लघुवन उपज होती है। जिसे गांव के लोग अपने उपयोग में लेते है। सइक दो पक्की सड़क को गांव है। गांव के तेम को अपने कब्जे में लेते है। जंगल से थोड़ा बहुत चारा, लकड़ी, ढाक के पते जैसी लघुवन उपज होती है। जिसे गांव के लोग अपने उपयोग में लेते है। सइक दो पक्की सड़क हो गयी है उनमे गइड़े हो गये है । सभी सी.सी. सड़क है । लेकिन कहीं पर भी इन रास्तों पर गर्मी में पीने के पानी के लिए कोई हैंडपंप की सुविधा नहीं है । बारिश में सभी रास्ते और कच्ची मिट्टी की सड़क बारिश में फिसलन भरी कीचड़ के नाले में परिवर्तित हो जाते है जिससे लोगों को आने जाने में समस्या हो जाती है । सड़को की बदहाली का नुकसान मरीजों और गर्भवती महिलाओ को होता है और स्कूल जाने वाले बच्चों को परेशानी होती है । सक्क प्राथमिक स्कूल प्राथमिक स्कूल		लिये व्यवस्था की जाती है । गर्मी में	किया जा सकता है।
कृषि भूमि विला नाम भूमि वेनामी जमीन, जंगल पर सरकार और याजाह वन विभाग का अधिकार है। जंगल में पहाइ विलायती बबूल के पेड़ है । गांव के जंगल को अपने कब्जे में लेने के लिय अभी तक सामुदायिक वन अधिकार पत्र लेने की फाइल नहीं लगायी गयी है। जंगल से थीड़ा बहुत चारा, लकड़ी, ढाक के पते जैसी लघुवन उपज होती है। जिस गांव के लोग अपने उपयोग में लेते हैं। वं पक्की सड़क कि वितय हो के हिं । गांव के कच्ची सड़क हो गयी है उनमे गड़डे हो गये है । सभी सी.सी. सड़कों में दरारे पड़ गयी है, पक्की सड़क कहिं पर भी इन रास्तों पर गर्मी में पीने के पानी के लिए कोई हैंडपंप की सुविधा नहीं है । बारिश में सभी रास्ते और कच्ची मिट्टी की सड़के बारिश में फिसलन भरी कीचड़ के नाले में परिवर्तित हो जाते है जिससे लोगों को आने जाने में समस्या हो जाती है । सड़कों की बदहाली का नुकसान मरीजों और गर्भवती महिलाओं को होता है और स्कूल जाने वाले बच्चों को परेशानी होती है । सक्का प्राथमिक तथा उच्च प्राथमिक विद्यालय प्राथमिक स्कूल प्राथमिक स्कूल प्राथमिक स्कूल		बोरेवेल में भी पानी कम हो जाता है।	
बिला नाम भूमि चरागाह वन विभाग का अधिकार है। जंगल में पहाड विलायती बब्ल के पेड़ है। गांव के जंगल जो अपने कब्जे में लेने के लिय अभी तक सामुदायिक वन अधिकार पत्र लेने की फाइल नहीं लगायी गयी है। जंगल से थोड़ा बहुत चारा, लकड़ी, ढाक के पते जैसी लघुवन उपज होती हैं। जिसे गांव के लोग अपने उपयोग में लेते हैं। उपज लेना । सड़क वो पक्की सड़के क्षतिग्रस्त होकर ख़राब सी.सी. सड़क हो गयी है उममे गड़डे हो गये हैं। सभी सी.सी. सड़क हो गयी है उममे गड़डे हो गये हैं। सभी सी.सी. सड़क हो गयी हैं अगर के भातरी इलाय और ट्रंटी पक्की सड़क हो गयी हैं अगर के किए कोई हैंडपंप की सुविधा नहीं हैं। जिससे सभी रास्ते और कच्ची सड़क बारिश में पिसलन भरी कीचड़ के नाले में परिवर्तित हो जाते हैं जिससे लोगों को आने जाने में समस्या हो जाती हैं। सड़क को बदहाली का नुकसान मरीजों और गर्भवती महिलाओं को होता है और कमरों की सम्मत जर्जर हो गये हैं और कमरों की सम्मत तथा उच्च प्राथमिक विद्यालय प्राथमिक स्कूल प्राथमिक स्कूल प्राथमिक तथा उच्च प्राथमिक विद्यालय स्कूलां की मरम्मत और नये कमरे	जमीन	गाँव के आदिवासी लोगों के पास छोटी	गाँवसभा प्रस्ताव में दर्ज करवाकर केटेगरी-
चरागाह वन विभाग का अधिकार है। जंगल में प्रहाड विलायती बबूल के पेड़ है । गांव के जंगल को अपने कब्जे में लेने के लिये अभी तक सामुदायिक वन अधिकार पत्र लेने की फाइल नहीं लगायी गयी है। जंगल से थोड़ा बहुत चारा, लकड़ी, ढाक के पते जैसी लघुवन उपज होती है। जिसे गांव के लोग अपने उपयोग में लेते हैं। जंगल को णिर से जीवित करना और लघुवन विप्त किन्यों से अधिन लेकर बबूल को हटाकर जंगल को फिर से जीवित करना और लघुवन उपज लेना । सड़क दो पक्की सड़के क्षेतिग्रस्त होकर खराब हो गयी है उनमे गड़डे हो गये हैं। सभी सी.सी. सड़क में बदले जाये और टूटी पित्री सड़क हो गयी है और 4 कच्ची सड़क हैं। सी.सी. सड़क को पुनः बनाया जाये तो गाँव के भीतरी इलाके में सभी रास्ते और कच्ची मिट्टी की सड़क बारिश में फिसलन भरी कीचड़ के नाले में परिवर्तित हो जाते हैं जिससे लोगों को आने जाने में समस्या हो जाती हैं। सड़कों की बदहाली का नुकसान मरीजों और गर्भवती महिलाओ को होता है और स्कूल जाने वाले बच्चों को परेशानी होती हैं। स्कूल भवन जर्जर हो गये हैं और कमरों की अपम्मत अर्जर हो गये हैं और कमरों की बनावा। शौयालय की भी मरम्मत करवा	कृषि भूमि	पहाड़िया, उबड़-खाबड़, पथरीली जमीन है,	4 में भूमि समतलीकरण अपना काम
पहाड़ विलायती बबूल के पेड़ है । गांव के जंगल को अपने कब्जे में लेने के लिय अभी तक सामुदायिक वन अधिकार पत्र लेने की फाइल नहीं लगायी गयी है। जंगल से थोड़ा बहुत चारा, लकड़ी, ढाक के पत्ते जैसी लघुवन उपज होती है। जिस गांव के लोग अपने उपयोग में लेते हैं। जंगल को गांव के लोग अपने उपयोग में लेते हैं। जंगल को गांव के नांव के अधीन लेकर बबूल को हटाकर जंगल को फिर से जीवित करना और लघुवन उपज होती है। जिसे गांव के लोग अपने उपयोग में लेते हैं। उपज लेना । सड़क दो पक्की सड़के क्षतिग्रस्त होकर ख़राब हो गयी है उनमे गड़डे हो गये हैं। सभी सी.सी. सड़क हो गयी है उनमे गड़डे हो गये हैं। सभी सहका है। लेकिन कहीं पर भी इन रास्तों पर गर्मी में पीने के पानी के लिए कोई हैंडपंप की सुविधा नहीं है । बारिश में सभी रास्ते और कच्ची मिट्टी की सड़क बारिश में फिसलन भरी कीचड़ के नाले में परिवर्तित हो जाते हैं जिससे लोगों को आने जाने में समस्या हो जाती है। सड़को की बदहाली का नुकसान मरीजों और गर्भवती महिलाओ को होता है और स्कूल जाने वाले बच्चों को परेशानी होती है। स्कूल आन वाले उच्च प्राथमिक विद्यालय स्कूलों की मरम्मत और नये कमरे प्राथमिक स्कूल भावन जर्जर हो गये हैं और कमरों की बनवाना। शौचालय की भी मरम्मत करवा	बिला नाम भूमि	बेनामी जमीन, जंगल पर सरकार और	योजना के तहत करवाकर उसे अधिक
जंगल को अपने कब्जे में लेने के लिये अभी तक सामुदायिक वन अधिकार पत्र लेने की फाइल नहीं लगायी गयी है। जंगल से थोड़ा बहुत चारा, लकड़ी, ढाक के पत्ते जैसी लघुवन उपज होती है। जिसे गांव के लोग अपने उपयोग में लेते है। दो पक्की सड़के क्षितग्रस्त होकर ख़राब हो गयी है उनमें गड़ड़े हो गये है। सभी सी.सी. सड़क में बदले जाये और टूटी पक्की सड़क है। लेकिन कहीं पर भी इन रास्तों पर गर्मी में पीने के पानी के लिए कोई हैंडपंप की सुविधा नहीं है। बारिश में सभी रास्ते और कच्ची मिट्टी की सड़क बारिश में फिसलन भरी कीचड़ के नाले में परिवर्तित हो जाते हैं जिससे लोगों को आने जाने में समस्या हो जाती है। सड़को की बदहाली का नुकसान मरीजों और गर्भवती महिलाओं को होता है और कमरों की पर्थानी होती है। सक्त अधीन लेकर बबूल को हटाकर जंगल को गाँव के अधीन लेकर बबूल को हटाकर जंगल को गाँव के अधीन लेकर बबूल को हटाकर जंगल को गाँव के अधीन लेकर बबूल को हटाकर जंगल को फिर से जीवित करना और लघुवन उपज लेना। सहक हो गयी है उनमें गड़ड़े हो गये है। सभी सी.सी. सड़क में बदले जाये और टूटी पक्की सड़क, सी.सी. सड़क को पुनः बनाया जाये तो गाँव के भीतरी इलाके में आवागमन में सुविधा होगी। सहको की सदहाली का नुकसान मरीजों को आने जाने में समस्या हो जाती है। सड़को की बदहाली का नुकसान मरीजों और गर्भवती महिलाओं को होता है और स्कूल जाने वाले बच्चों को परेशानी होती है। प्राथमिक स्कूल भवन अपरे हैं और कमरों की मरम्मत और नये कमरे बनवान। शीचालय की भी मरम्मत करवा	चरागाह	वन विभाग का अधिकार है। जंगल में	उपजाऊ बनाया जा सकता है। गाँव की
अभी तक सामुदायिक वन अधिकार पत्र तेन की फाइल नहीं लगायी गयी है। जंगल से थोड़ा बहुत चारा, लकड़ी, ढाक के पते जैसी लघुवन उपज होती है। जिसे गांव के लोग अपने उपयोग में लेते हैं। उपज लेना । सड़क दो पक्की सड़के क्षितिग्रस्त होकर ख़राब हो गयी है उनमे गड़डे हो गये है । सभी सी.सी. सड़क में बदले जाये और टूटी पक्की सड़क हैं । लेकिन कहीं पर भी इन रास्तों पर गर्मी में पीने के पानी के लिए कोई हैंडपंप की सुविधा नहीं है । बारिश में सभी रास्ते और कच्ची मिट्टी की सड़क बारिश में फिसलन भरी कीचड़ के नाले में परिवर्तित हो जाते हैं जिससे लोगों को आने जाने में समस्या हो जाती है । सड़को की बदहाली का नुकसान मरीजों और गर्भवती महिलाओं को होता है और स्कूल जाने वाले बच्चों को परेशानी होती है । प्राथमिक तथा उच्च प्राथमिक विद्यालय सक्लों की मरम्मत और नये कमरे वाया गरी की भी मरम्मत करवा	पहाड़	विलायती बबूल के पेड़ है । गांव के	जिस जमीन पर खेती नहीं होती है या
अभी तक सामुदायिक वन अधिकार पत्र तेने की फाइल नहीं लगायी गयी है। जंगल से थोड़ा बहुत चारा, लकड़ी, ढाक के पते जैसी लघुवन उपज होती है। जिसे गांव के लोग अपने उपयोग में लेते हैं। उपज लेना । सइक दो पक्की सइके क्षतिग्रस्त होकर ख़राब हो गयी है उनमे गड़डे हो गये है । सभी सी.सी. सइक में बदले जाये और टूटी पक्की सइक है । लेकिन कहीं पर भी इन रास्तों पर गर्मी सं पीने के पानी के लिए कोई हैंडपंप की सुविधा नहीं है । बारिश में सभी रास्ते और कच्ची मिट्टी की सइके बारिश में फिसलन भरी कीचड़ के नाले में परिवर्तित हो जाते हैं जिससे लोगों को आने जाने में समस्या हो जाती है । सइको की बदहाली का नुकसान मरीजों और गर्भवती महिलाओं को होता है और स्कूल जाने वाले बच्चों को परेशानी होती है । प्राथमिक तथा उच्च प्राथमिक विद्यालय स्कूलों की मरम्मत और नये कमरे वानवा । शीचालय की भी मरम्मत करवा	जंगल		जंगली घास है उसे साफ करके वृक्षारोपण
लेने की फाइल नहीं लगायी गयी है। जंगल से थोड़ा बहुत चारा, लकड़ी, ढाक के अधीन लेकर बबूल को हटाकर जंगल के पते जैसी लघुवन उपज होती है। जिसे गांव के लोग अपने उपयोग में लेते हैं। सड़क दो पक्की सड़के क्षतिग्रस्त होकर ख़राब हो गयी है उनमे गड़डे हो गये हैं। सभी सी. सड़क में बदले जाये और टूटी पक्की सड़क लियाँ टूट गयी है और 4 कच्ची सड़क हैं। लेकिन कहीं पर भी इन रास्तों पर गर्मी में पीने के पानी के लिए कोई हेंडपंप की सुविधा नहीं है । बारिश में सभी रास्ते और कच्ची मिट्टी की सड़क बारिश में परिवर्तित हो जाते हैं जिससे लोगों को आने जाने में समस्या हो जाती है । सड़कों की बदहाली का नुकसान मरीजों और गर्भवती महिलाओ को होता है और स्कूल जाने वाले बच्चों को परेशानी होती है । सक्क प्राथमिक तथा उच्च प्राथमिक विद्यालय एवं स्कूलों की मरम्मत और नये कमरे वारवा जर्जर हो गये है और कमरों की बनवाना। शौचालय की भी मरम्मत करवा		अभी तक सामुदायिक वन अधिकार पत्र	
जंगल से थोड़ा बहुत चारा, लकड़ी, ढाक के अधीन लेकर बबूल को हटाकर जंगल के पते जैसी लघुवन उपज होती है। जिसे गांव के लोग अपने उपयोग में लेते है। सइक दो पक्की सड़के क्षतिग्रस्त होकर ख़राब हो गयी है उनमें गड़डे हो गये हैं। सभी सी.सी. सड़क में बदले जाये और टूटी सी.सी. सड़क मीं दरारें पड़ गयी है, पक्की सड़क है। लेकिन कहीं पर भी इन रास्तों पर गर्मी में पीने के पानी के लिए कोई हैंडपंप की सुविधा नहीं है। बारिश में सभी रास्ते और कच्ची मिट्टी की सड़क बारिश में परिवर्तित हो जाते हैं जिससे लोगों को आने जाने में समस्या हो जाती है। सड़कों की बदहाली का नुकसान मरीजों और गर्भवती महिलाओं को होता है और स्कूल जाने वाले बच्चों को परेशानी होती है। सक्ल प्राथमिक तथा उच्च प्राथमिक विद्यालय स्कूलों की मरम्मत और नये कमरे वानवान। शौचालय की भी मरम्मत करवा			
के पते जैसी लघुवन उपज होती है। जिसे गांव के लोग अपने उपयोग में लेते है। सइक दो पक्की सड़के क्षतिग्रस्त होकर ख़राब गाँव के सभी कच्चे रास्ते चाँड़े करके हो गयी है उनमे गड़डे हो गये है । सभी सी.सी. सड़क में बदले जाये और टूटी पक्की सड़क हो गयी है और 4 कच्ची सड़क है । लेलियाँ टूट गयी है और 4 कच्ची सड़क है । लेलियाँ टूट गयी है और 4 कच्ची सड़क है । लेलियाँ टूट गयी है और 4 कच्ची सड़क है । लेलियाँ टूट गयी है और 4 कच्ची सड़क है । लेलियाँ टूट गयी है और 5 कालियाँ पर गर्मी में पीने के पानी के लिए कोई हैंडपंप की सुविधा नहीं है । बारिश में सभी रास्ते और कच्ची मिट्टी की सड़के बारिश में फिसलन भरी कीचड़ के नाले में परिवर्तित हो जाते है जिससे लोगों को आने जाने में समस्या हो जाती है । सड़को की बदहाली का नुकसान मरीजों और गर्भवती महिलाओं को होता है और स्कूल जाने वाले बच्चों को परेशानी होती है । स्कूल प्राथमिक तथा उच्च प्राथमिक विद्यालय स्कूलों की मरम्मत और नये कमरे प्राथमिक स्कूल भवन जर्जर हो गये है और कमरों की बनवाना । शौचालय की भी मरम्मत करवा			
गांव के लोग अपने उपयोग में लेते हैं। उपज लेना। सइक दो पक्की सड़के क्षितिग्रस्त होकर ख़राब हो गयी है उनमे गड़डे हो गये हैं। सभी सी.सी. सड़क में बदले जाये और टूटी सी.सी. सड़क में दरारें पड़ गयी है, पक्की सड़क, सी.सी. सड़क को पुनः निलयाँ टूट गयी है और 4 कच्ची सड़क बनाया जाये तो गाँव के भीतरी इलाके में अवागमन में सुविधा होगी। गर्मी में पीने के पानी के लिए कोई हैंडपंप की सुविधा नहीं है। बारिश में सभी रास्ते और कच्ची मिट्टी की सड़क बारिश में परिवर्तित हो जाते है जिससे लोगों को आने जाने में समस्या हो जाती है। सड़को की बदहाली का नुकसान मरीजों और गर्भवती महिलाओ को होता है और स्कूल जाने वाले बच्चों को परेशानी होती है। प्राथमिक तथा उच्च प्राथमिक विद्यालय स्कूलों की मरम्मत और नये कमरे प्राथमिक स्कूल		ı ş	•
हो गयी है उनमे गड्डे हो गये है । सभी सी.सी. सड़क में बदले जाये और टूटी सी.सी. सड़क सी.सी. सड़क को पुनः विकास सड़क है । लेकिन कहीं पर भी इन रास्तों पर आवागमन में सुविधा होगी । गर्मी में पीने के पानी के लिए कोई हैंडपंप की सुविधा नहीं है । बारिश में सभी रास्ते और कच्ची मिट्टी की सड़क बारिश में परिवर्तित हो जाते है जिससे लोगों को आने जाने में समस्या हो जाती है । सड़को की बदहाली का नुकसान मरीजों और गर्भवती महिलाओ को होता है और स्कूल जाने वाले बच्चों को परेशानी होती है । प्राथमिक स्कूल भवन जर्जर हो गये है और कमरों की बनवाना । शौचालय की भी मरम्मत करवा			
सी.सी. सड़कों में दरारें पड़ गयी है, पक्की सड़क, सी.सी. सड़क को पुनः निलियाँ टूट गयी है और 4 कच्ची सड़क हैं । लेकिन कहीं पर भी इन रास्तों पर गर्मी में पीने के पानी के लिए कोई हेंडपंप की सुविधा नहीं है । बारिश में सभी रास्ते और कच्ची मिट्टी की सड़के बारिश में पिवर्तित हो जाते है जिससे लोगों को आने जाने में समस्या हो जाती है । सड़को की बदहाली का नुकसान मरीजों और गर्भवती महिलाओं को होता है और स्कूल जाने वाले बच्चों को परेशानी होती है । प्रथमिक तथा उच्च प्राथमिक विद्यालय प्रथमिक स्कूल भवन जर्जर हो गये है और कमरों की बनवाना । शौचालय की भी मरम्मत करवा	सड़क	दो पक्की सड़के क्षतिग्रस्त होकर ख़राब	गाँव के सभी कच्चे रास्ते चौड़े करके
सी.सी. सड़कों में दरारें पड़ गयी है, पक्की सड़क, सी.सी. सड़क को पुनः निलयाँ टूट गयी है और 4 कच्ची सड़क हैं । लेकिन कहीं पर भी इन रास्तों पर गर्मी में पीने के पानी के लिए कोई हैंडपंप की सुविधा नहीं है । बारिश में सभी रास्ते और कच्ची मिट्टी की सड़के बारिश में पिरवर्तित हो जाते है जिससे लोगों को आने जाने में समस्या हो जाती है । सड़को की बदहाली का नुकसान मरीजों और गर्भवती महिलाओं को होता है और स्कूल जाने वाले बच्चों को परेशानी होती है । सक्त प्राथमिक स्कूल प्राथमिक तथा उच्च प्राथमिक विद्यालय स्कूलों की मरम्मत और नये कमरे बनवाना । शौचालय की भी मरम्मत करवा	कच्ची सड़क	हो गयी है उनमे गड्डे हो गये है। सभी	सी.सी. सड़क में बदले जाये और टूटी
पक्की सड़क नालियाँ टूट गयी है और 4 कच्ची सड़क है । लेकिन कहीं पर भी इन रास्तों पर गर्मी में पीने के पानी के लिए कोई हैंडपंप की सुविधा नहीं है । बारिश में सभी रास्ते और कच्ची मिट्टी की सड़के बारिश में परिवर्तित हो जाते है जिससे लोगों को आने जाने में समस्या हो जाती है । सड़को की बदहाली का नुकसान मरीजों और गर्भवती महिलाओं को होता है और स्कूल जाने वाले बच्चों को परेशानी होती है । प्राथमिक तथा उच्च प्राथमिक विद्यालय प्राथमिक स्कूल भवन जर्जर हो गये है और कमरों की बनवाना । शौचालय की भी मरम्मत करवा	सी.सी. सड़क	सी.सी. सड़कों में दरारें पड़ गयी है,	पक्की सड़क, सी.सी. सड़क को प्नः
है । लेकिन कहीं पर भी इन रास्तों पर आवागमन में सुविधा होगी । गर्मी में पीने के पानी के लिए कोई हैंडपंप की सुविधा नहीं है । बारिश में सभी रास्ते और कच्ची मिट्टी की सड़के बारिश में फिसलन भरी कीचड़ के नाले में परिवर्तित हो जाते है जिससे लोगों को आने जाने में समस्या हो जाती है । सड़को की बदहाली का नुकसान मरीजों और गर्भवती महिलाओ को होता है और स्कूल जाने वाले बच्चों को परेशानी होती है । स्कूल प्राथमिक तथा उच्च प्राथमिक विद्यालय स्कूलों की मरम्मत और नये कमरे प्राथमिक स्कूल भवन जर्जर हो गये है और कमरों की बनवाना । शौचालय की भी मरम्मत करवा	पक्की सड़क	नालियाँ टूट गयी है और 4 कच्ची सड़क	
गर्मी में पीने के पानी के लिए कोई हैंडपंप की सुविधा नहीं है । बारिश में सभी रास्ते और कच्ची मिट्टी की सड़के बारिश में फिसलन भरी कीचड़ के नाले में परिवर्तित हो जाते है जिससे लोगों को आने जाने में समस्या हो जाती है । सड़को की बदहाली का नुकसान मरीजों और गर्भवती महिलाओं को होता है और स्कूल जाने वाले बच्चों को परेशानी होती है । स्कूल प्राथमिक तथा उच्च प्राथमिक विद्यालय प्राथमिक स्कूल भवन जर्जर हो गये है और कमरों की बनवाना । शौचालय की भी मरम्मत करवा			आवागमन में स्विधा होगी ।
सभी रास्ते और कच्ची मिट्टी की सड़के बारिश में फिसलन भरी कीचड़ के नाले में परिवर्तित हो जाते है जिससे लोगों को आने जाने में समस्या हो जाती है । सड़को की बदहाली का नुकसान मरीजों और गर्भवती महिलाओ को होता है और स्कूल जाने वाले बच्चों को परेशानी होती है । स्कूल प्राथमिक तथा उच्च प्राथमिक विद्यालय प्राथमिक स्कूल भवन जर्जर हो गये है और कमरों की बनवाना । शौचालय की भी मरम्मत करवा			3
सभी रास्ते और कच्ची मिट्टी की सड़के बारिश में फिसलन भरी कीचड़ के नाले में परिवर्तित हो जाते है जिससे लोगों को आने जाने में समस्या हो जाती है । सड़को की बदहाली का नुकसान मरीजों और गर्भवती महिलाओ को होता है और स्कूल जाने वाले बच्चों को परेशानी होती है । स्कूल प्राथमिक तथा उच्च प्राथमिक विद्यालय प्राथमिक स्कूल भवन जर्जर हो गये है और कमरों की बनवाना । शौचालय की भी मरम्मत करवा		हैंडपंप की स्विधा नहीं है । बारिश में	
बारिश में फिसलन भरी कीचड़ के नाले में परिवर्तित हो जाते है जिससे लोगों को आने जाने में समस्या हो जाती है । सड़को की बदहाली का नुकसान मरीजों और गर्भवती महिलाओं को होता है और स्कूल जाने वाले बच्चों को परेशानी होती है । स्कूल प्राथमिक तथा उच्च प्राथमिक विद्यालय प्राथमिक स्कूल भवन जर्जर हो गये है और कमरों की बनवाना । शौचालय की भी मरम्मत करवा		3	
में परिवर्तित हो जाते है जिससे लोगों को आने जाने में समस्या हो जाती है । सड़को की बदहाली का नुकसान मरीजों और गर्भवती महिलाओं को होता है और स्कूल जाने वाले बच्चों को परेशानी होती है । स्कूल प्राथमिक तथा उच्च प्राथमिक विद्यालय स्कूलों की मरम्मत और नये कमरे प्राथमिक स्कूल भवन जर्जर हो गये है और कमरों की बनवाना। शौचालय की भी मरम्मत करवा			
सडको की बदहाली का नुकसान मरीजों और गर्भवती महिलाओं को होता है और स्कूल जाने वाले बच्चों को परेशानी होती है। स्कूल प्राथमिक तथा उच्च प्राथमिक विद्यालय स्कूलों की मरम्मत और नये कमरे प्राथमिक स्कूल भवन जर्जर हो गये है और कमरों की बनवाना। शौचालय की भी मरम्मत करवा			
सडको की बदहाली का नुकसान मरीजों और गर्भवती महिलाओं को होता है और स्कूल जाने वाले बच्चों को परेशानी होती है। स्कूल प्राथमिक तथा उच्च प्राथमिक विद्यालय स्कूलों की मरम्मत और नये कमरे प्राथमिक स्कूल भवन जर्जर हो गये है और कमरों की बनवाना। शौचालय की भी मरम्मत करवा		आने जाने में समस्या हो जाती है ।	
और गर्भवती महिलाओं को होता है और स्कूल जाने वाले बच्चों को परेशानी होती है। स्कूल जाने वाले बच्चों को परेशानी होती है। प्राथमिक तथा उच्च प्राथमिक विद्यालय स्कूलों की मरम्मत और नये कमरे प्राथमिक स्कूल भवन जर्जर हो गये है और कमरों की बनवाना। शौचालय की भी मरम्मत करवा			
स्कूल जाने वाले बच्चों को परेशानी होती है । स्कूल प्राथमिक तथा उच्च प्राथमिक विद्यालय स्कूलों की मरम्मत और नये कमरे प्राथमिक स्कूल भवन जर्जर हो गये है और कमरों की बनवाना । शौचालय की भी मरम्मत करवा			
हैं। स्कूल प्राथमिक तथा उच्च प्राथमिक विद्यालय स्कूलों की मरम्मत और नये कमरे प्राथमिक स्कूल भवन जर्जर हो गये है और कमरों की बनवाना। शौचालय की भी मरम्मत करवा			
प्राथमिक स्कूल भवन जर्जर हो गये है और कमरों की बनवाना । शौचालय की भी मरम्मत करवा		. "	
प्राथमिक स्कूल भवन जर्जर हो गये है और कमरों की बनवाना । शौचालय की भी मरम्मत करवा	स्कृल	प्राथमिक तथा उच्च प्राथमिक विदयालय	स्कुलों की मरम्मत और नये कमरे
	· _	_	"
	**		
विद्यालय लिए कक्षाओं में दरी-पट्टी नहीं है । बच्चों के पीने के पानी के लिए आर.ओ.	विद्यालय		

	अध्यापनें की कमी के कमम से कथाओ	प्लांट लगाया जा सकता है ताकी
		·
	को एक साथ बैठा कर पढ़ाया जाता है।	बीमारियों से मुक्त रहे । पूरे अध्यापक
	जिससे बच्चों की शिक्षा प्रभावित हो रही	नियुक्त किये जाये ।
	है । उच्च माध्यमिक विद्यालय में भी	
	पूरे अध्यापकों की नियुक्ति नहीं की गयी	
	है और स्कूल में छत की मरम्मत की	
	आवश्यकता है, खेल के मैदान की	
	बाउन्ड्री टूटी हुई है तथा शौचालयों में	
	पानी की व्यवस्था नहीं है । तीनों ही	
	विद्यालयों में बच्चों के पीने के लिए	
	साफ पानी हेतु आर.ओ. नहीं लगा है ।	
आंगनवाड़ी केंद्र	एक आंगनवाड़ी का भवन नहीं है	अलग से आंगनवाड़ी का नया भवन
	आंगनवाड़ी की छत से पानी टपकता है,	बनवाना । छत और फर्श की मरम्मत,
	पीने के पानी, शौचालय और छोटे बच्चों	शौचालय निर्माण, छोटा आर.ओ. प्लांट
	के अक्षर ज्ञान के लिए पठन-सामग्री की	लगवाना । खेलने और अक्षर ज्ञान के लिए
	आवश्यकता है ।	समुचित प्रबन्ध करना ।

गाँव सभा द्वारा चिन्हित मुख्य समस्याएं, उनके कारण, प्रस्तावित समाधान एवं वरीयता

क्र.	समस्याएं	सार्वजनिक/	कारण	समाधान	तात्कालिक/
सं.		व्यक्तिगत			दीर्घकालिक
1	शिक्षा	सार्वजनिक	गाँव में 2 प्राथमिक और	गाँव सभा में प्रस्ताव	तात्कालिक
	सम्बंधित		एक उच्च माध्यमिक स्कूल	लेकर अध्यापक नियुक्ति,	
	समस्या		है, सभी स्कूलों में	कमरा निर्माण, शुद्ध	
			अध्यापकों की कमी है	पानी की व्यवस्था और	
			स्कूल बिल्डिंग जर्जर हो	नये शौचालय बनवाने हेतु	
			गयी है । स्कूल में खेल का	पंचायत और शिक्षा विभाग	
			मैदान और शौचालय की	से ज्ञापन देकर समस्या	
			स्थिति सही नहीं है । पीने	हल करना	
			के शुद्ध पानी के लिए		
			आर. ओ. नहीं लगा है ।		
			कक्षा-कक्षों की कमी है।		
2	पेयजल की	सार्वजनिक	गाँव में भू-जल 200 फिट	जो हैंडपंप बंद हो गये है	दीर्घकालिक
	समस्या		गहराई में चला गया है।	उन्हें गहरा कर चालू	
		_	गाँव में आधे कुएं और	करवाना और गाँव में	

			हैंडपंप सूखे है और जो चालू	आर.ओ. प्लांट लगवाना	
			है उनका पानी फ्लोराइड		
			युक्त है। तालाब कम गहरे	_	
			होने और और एनिकटो से		
			रिसाव होने से पानी बह कर	एनिकट और तालाब में	
			निकल जाता है ऐसे में	ज्यादा से ज्यादा रोक कर,	
			पानी कम रुकने से पशुओ	कुएं रिचार्ज करके जल	
			के लिए भी पानी कम हो	स्तर ऊंचा किया जा	
			जाता है ।	सकता है। इसके लिए	
				गाँव सभा द्वारा बैठक में	
				प्रस्ताव भी लिया गया है।	
3	कृषि संबधी	सार्वजनिक	गाँव में भूमिगत जल स्तर	अपना खेत-अपना काम	तात्कालिक
	समस्या		200 फीट नीचे है । गाँव	योजना के अंतर्गत उबड़	
			की कृषि योग्य उपलब्ध	खाबड़ खेतों को समतल	
			भूमि उबड़ खाबड़ है। सिंचाई	करना, बारिश के पानी को	
			के लिए 2 बरसाती नाला है	रोकने के लिए खेतों में	
			। बरसात का पानी गाँव में	कच्चे चेकडैम और पक्के	
			रोकने के लिए 5 एनिकट है	टांके का निर्माण। घर के	
			जो जर्जर हो गये है और 2	आँगन में पानी को रोकने	
			छोटा तालाब है जिनमे पानी	के लिए टाके (पक्के	
			पूरे साल नहीं टिकता है ।	खड्डे) बनवाना l	
4	रास्ते की	सार्वजनिक	गाँव में पक्की और सी.सी.	गाँवसभा बनने के बाद	तात्कालिक
	समस्या		सड़के टूटी हुई है । कच्ची	बैठकों में कच्ची सड़क को	
			सड़के भी बारिश के समय	सी.सी. सड़क में बदलना	
			कीचड़ में हो जाती है ।	और जहां जहां रास्ते नहीं	
			राहगीरों को आने-जाने में	है वहां के प्रस्ताव लिए	
			समस्या रहती है।	गए हैं । टूटी हुई सडको	
				कों ठीक करवाने के लिए	
				पंचायत में प्रस्ताव देना।	
5	सरकारी	व्यक्तिगत	गाँव में सभी लोगो को सभी	गाँवसभा के जागरूक	तात्कालिक
	योजनाओं		सरकारी योजनाओं का लाभ	सदस्यों के द्वारा लोगों	
	की सहीं		नहीं मिलता है । गाँव में	का आवास निर्माण हेतु	
	क्रियान्विति		कुछ लोगो को आवास	आवेदन कराना और	
	ना होना -		योजना का लाभ नहीं मिल	बकाया राशि का भुगतान	

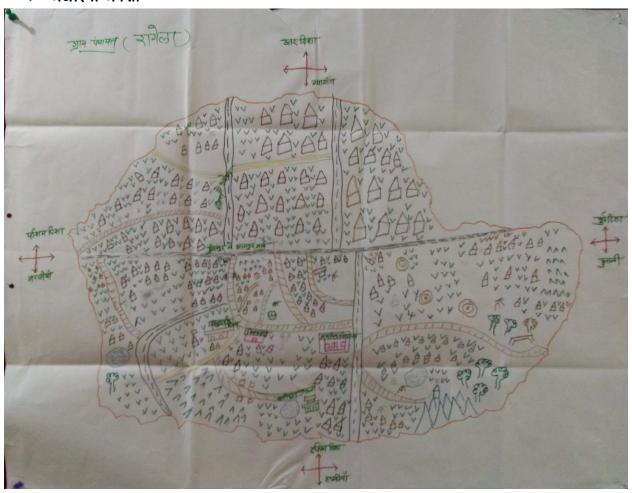
	_				
	आवास		पा रहा है । उनके नाम		
	निर्माण,		सूची में नहीं जुड़े है, जिनके		
	पेंशन		आवास तैयार है उनको पूरी	उनको पेंशन योजना से	
	संबधी		राशि का भुगतान नहीं हो	जोड़ना। बंद पेंशन का	
	समस्या		पाया है । गाँव में सरकारी	भुगतान तुरंत शुरू	
			कागजातों में उम्र अलग-	करवाना।	
			अलग होने से भी लोगों को		
			नहीं मिल पा रही है।		
6	काबिज	सार्वजनिक	गाँव में लोगों कों उनके	कब्जे की जमीन के लिए	दीर्घकालिक
	भूमि पर		कब्जे की जमीन का	व्यक्तिगत दावा और	
	खातेदारी		खातेदारी हक नहीं मिला है	जंगल की जमीन के लिए	
	का हक		। वर्तमान में राजस्व विभाग	सामुदायिक दावा करना ।	
	नहीं मिलना		ने खातेदारी हक देना बंद	कब्जे की जमीन की	
	और		कर दिया है। जिसके कारण	पैनल्टी कोर्ट में जमा	
	सामुदायिक		भविष्य में सरकारी फरमानों	करना और धारा 91 के	
	भूमि पर		से जमीन जाने का खतरा है	अनुसार काबिज जमीन	
	अधिकार		। जानकारी के अभाव में	का नियमन कराना। गाँव	
	नहीं		गाँव के लोगो ने जंगल,	सभा द्वारा सबकी फाइल	
			चारागाह व बिलानाम	तैयार करके एक साथ	
			जमीन पर दावा फाइल नहीं	राजस्व विभाग में दावे का	
			लगाई है ।	मुकदमा करना।	
7	खाद्य	सार्वजनिक	राशन की दुकान नरणिया	राशन की दुकान गाँव में	तात्कालिक
	सुरक्षा का		गाँव में है वहां दूसरे गाँव	ऐसे स्थान पर हो जहाँ	
	पूरा लाभ		से भी लोग आते है और	इन्टरनेट की समस्या ना	
	नहीं मिलना		अक्सर पॉस मशीन में		
			फिंगरप्रिंट न मिलना या	राशन नहीं मिल रहा है	
			इन्टरनेट से कनेक्ट न होने	उनके नाम योजना में	
			की समस्या आती रहती है।	जुड़वाने के लिए गाँव सभा	
			राशन की दुकान पर गेहूं के	में प्रस्ताव लेना । राशन	
			अलावा कुछ नहीं मिलता है		
			रागेला गांव में मिट्टी का	वाली दी जाये ।	
			तेल बंद कर दिया गया है ।		

संसाधन आंकलन व SWOT विश्लेषण

S- Strengths	W- Weakness	O- Opportunities	T- Threats
शक्तियां	कमजोरी	अवसर	चुनौतियां
आवागमन -	गाँव में पक्की सड़के	रास्ते अच्छे होने से	गाँव के लोग समस्या
कच्चे रास्ते, सी.सी.	केवल गाँव में आने-जाने	बीमार लोगों को आसानी	को लेकर दबाव नहीं
सड़क, पक्की सड़कें	के लिए है । पक्की और	से समय रहते इलाज	बनाते है कि यह कार्य
	सी.सी. सड़के टूटी हुई है	मिल सकता है । लोगों	सरकार व पंचायत का
	। कच्ची सड़के ज्यादा	को आने जाने में समय	है । गाँव सभा कमेटी
	नहीं है । पहाड़ियों पर	की बचत होगी।	का मजबूती से काम
	केवल पगडण्डियों से ही		नहीं करना ।
	जा सकते है ।		
जल	एनिकटो के जर्जर और	पहाड़ी ढलानों पर कच्चे	पंचायत द्वारा इस
नाला	बांध की ऊंचाई कम होने	और पक्के चेकडेम	चुनौती से निपटने को
तालाब	से पानी की ग्रहण	निर्माण, तालाब	कोई कार्य योजना नहीं
एनिकट	क्षमता भी कम है ।	गहरीकरण और एनिकट	होना। गाँव के लोगों की
कुआं	तालाब भी जल्दी ही	के बांध की ऊंचाई बढ़ाना	उदासीनता।
बोरवेल	सूख जाते है उनमे जल	और मरम्मत कार्य ।	
हैंड पंप	भराव क्षमता कम है।	पानी को रोकने के लिए	
	गर्मी में पानी सूख जाने	पक्की टंकी का निर्माण	
	से संकट हो जाता है।	करवाना, जिससे अशुद्ध	
	कुओं को रिचार्ज करने	पीने के पानी की समस्या	
	की व्यवस्था नहीं करना	को दूर किया जा सकता	
	। जल संरक्षण के बारे	है । बरसात के जल को	
	में गाँव वालों में	सही तरीके से संरक्षित	
	जागरूकता न होना I	उपयोग करना ताकी जल	
	सरकारी योजना और	स्तर एकदम से नीचे न	
	मौसम पर अधिक निर्भर	जाये ।	
	रहना ।		
रोजगार के साधन	गाँव में रोजगार के	गाँव में खाली पड़ी	गाँव के लोगों के पास
	साधन मात्र खेती या	जमीन और पहाड़ियों पर	पर्याप्त खेती की जमीन
	नरेगा में मजदूरी है।	वृक्षारोपण, अच्छी नस्त	का अभाव। उन्नतशील
	कृषि उत्पादन की कमी	के पशुओं का पालन,	बीज का अभाव ।
	। अच्छी नस्ल के	सब्जी के खेती और	जमीन के बेहतर
	पशुओं का अभाव ।	तालाबों में मछलीपालन	प्रबंधन तथा

	अच्छी तकनीकी	से आय के स्रोत बढ़ाये	मछलीपालन हेतु
	प्रशिक्षण नहीं मिलना ।	जा सकते हैं।	तालाबों, एनिकटो की
			बेहतर व्यवस्था की
			कमी।
जमीन	सभी लोगों के पास	खेती की जमीन की उर्वरा	सभी लोगों के पास
	पर्याप्त खेती की जमीन	शक्ति को बढ़ाना। गाँव	पर्याप्त जमीन का
	नहीं होना। जमीन के	की सार्वजनिक खाली पड़ी	अभाव। खाली पड़ी
	पट्टे ना होना ।	जमीन पर फलदार	जमीन के बेहतर
		वृक्षारोपण करवाना।	उपयोग की योजना का
			अभाव।

> नजरिया नक्शा



> गाँवसभा द्वारा तैयार गाँव विकास योजना में प्रस्तावित कार्यो का विवरण -

प्रस्तावित कार्य	संख्या
पेंशन के सम्बन्ध में	
वृद्धा पेंशन	3
एकलनारी पेंशन	2
विकलांग पेंशन	1
पालनहार 6-8 वर्ष	3
पी.एम., सी.एम. आवास योजना नए निर्माण	7
शौचालय निर्माण के सम्बन्ध में	6
स्कूल के सम्बन्ध में	
3 अध्यापक नियुक्ति, 12 नये कमरे, प्रा. वि. का पुनर्निमार्ण, आर. ओ. प्लांट	रा. प्रा. और उ. मा. वि. रागेला
लगाना,	मा. १व. रागला
सामुदायिक भवन मरम्मत के सम्बन्ध में	1
पक्की सड़क निर्माण (उ.मा.वि. से नई बस्ती धामन वेला तक)	
हैंडपंप के सम्बन्ध में	
नए हैंडपंप	7
हैंडपंप मरम्मत	2
पक्के चेकडैम निर्माण	3
कच्चे चेकडैम निर्माण	4
नया एनिकट निर्माण	2
केटेगरी 4 के कार्य	
खेत समतलीकरण, मेड़बंदी, रिंगवाल,	10
कुआं गहरीकरण और मरम्मत एवं पशुवाडा निर्माण	
वृक्षारोपण के सम्बन्ध में	4
शमशान घाट निर्माण (स्नानघर, टिन-शेड, चब्तरा)	1
आर.ओ. प्लांट के सम्बन्ध में	2
सार्वजनिक कुआं गहरीकरण के सम्बन्ध में	2
धुणी माता मंदिर पर परकोटा निर्माण	1
खाद्य सुरक्षा से लोगो को जोड़ना	4 परिवार
गाँवसभा के द्वारा आपसी विवाद निपटारा	
सामाजिक बुराईयों पर रोक लगाने के सम्बन्ध में	

गाँव विकास नियोजन प्रक्रिया -

		Server Se
	सेवा में,	
	श्रीमान सरपंच/सिचय महोदय,	
	ग्राम पंचायत (13) (7)	
	विषय: - गाँव के सामाजिक व आर्थिक विकास के कार्यक्रमों आदि का क्रियान्वयन के पूर्व उ	ानुमोदन के
	सम्बन्ध में ।	
	महोदय,	
	हम आपना ज्यान पंचायत उपबंध (अनुसूचित क्षेत्रों पर विस्तार) अदिियम आकर्षित करना चाहते हैं, इस अधिनियम के तहत संविधान में पंचायत व्यवस्था के भाग अनुसूचित क्षेत्रों पर जरूरी फेरबदल के साथ लागु किया है।	1999 की ओर 9 के प्रावधानों के
	हम लोगों ने अपने इस रहवास को औपचारिक तौर पर गाँव के रूप में स्वीकार कि उपवंघ अधिनियम 1999 की धारा 3(क) के तहत ग्राम सभा का गठन किया है। इसके अ (I) के तहत ग्राम पंचायत किसी भी विकास के कार्यक्रम के प्रस्ताव या उसके क्रियान्वय ग्राम सभा से अनुमोदन करना आवश्यक है। हमने हमारी ग्राम सभा द्वारा निम्न प्रस्ताव	नुसार धारा 3(ग) न के पूर्व गाँव की
	पारित कर आपके पास भिजवाये जा रहे हैं जिसको आप ग्राप्ट पंचायत के रजिस्टर में पं कार्यवाही करते हुए कार्य प्रारम्भ करावें ।	जियन कर अग्रिम
		भवदीय
		म सभा सदस्यगण
	ग्राम् प्र तिलिपि :-	ार) अदिवियम 1999 की ओर प्रवस्था के भाग 9 के प्रावधानों के में स्वीकार किया है और पंचायत त्या है। इसके अनुसार धारा 3(ग) उसके क्रियान्वयन के पूर्व गाँव की तरा निम्न प्रस्ताव (सुची संलग्न है) के रिजस्टर में पंजियन कर अग्रिम भवदीय ग्राम सभा सदस्यगण ग्राम
	1. श्रीमान विकास अधिकारी	
	2. श्रीमान जिला कलेक्टर महोदय	
	श्रीमान मुख्य कार्यकारी अधिकारी 4. निजी रिकॉर्ड	
	4. । नेपाः । रकाङ	
	विल्लापुराप्रामा)	John -
	जावरामा)(गावरामा ३) हम श्र	215-495119872
	disimi	राग्ता
1	1la	
7	Jemenda	
	विकास अधिकारी संस्थात पार्वेका	
1	वस्य किला दगण्ड	

	पैक्षा कानून र स्थान अधिनयम् १९९९ निमस २०११ के उनका।
	प्रेमा कानून र स्यान आधानयम् १५७५ १० वर्षा के अन्तरम
	आप दिनों के 5/7/018 की सामुदाियक भवन शिलालेख पर
	यांगेला गांव की गांव समा की वीठक साया जित की गई जित
	अध्यक्षता वार्डपेच देवराम जी शीयमा ने की जिनकी अध्यक्ता
	बेठक की कार्यवाही की गई।
·	ज्ञाव समा की बैठक में निम्नों लोखपत प्रस्तायों की चया का व
	और अना अनुमीदन किया गमा।
-	
	भेगान के सम्बद्धा में !
L1-	4 x 10 43 x 10 4 5 4 7 1
L37-	योजीवरा ?— भेशन के सम्बन्ध में :! — : प्रदा पेशन विध्या पेशन
[स]	क्रकल नारी विश्वान
L3-	पालन हार पेशन .
LZJ	निव कलाग प्रान्
	1cm . 9 95
[2	PM शीचालय सुगतान और निर्माण के अम्बन्ध में /
1.3	त राम्यालय मुगतान अगर विकार के राज्य में व
(4	सी से यह से अध्यापकों की नियुक्ति के सक्बन्ध में उ
	नियन निर्माण के सम्बन्ध् में।-
(5	सामुदायिक अवन की छत की विषेत्रिश के व्यक्षिमी
(6)	उप रमार्थी केन्द्र के सम्बन्ध में!-
[7]	वाशन की दुकान रेंग्रीलन के सम्मन्य में।
(8)	
	1 2 March of day 805000 Majorio ob alagorio
رلق	ी नी का तम कि मोठा के सम्बन्ध में
10-	1-11-1-1 1 m +1/1 ch 0/10/07/1 VI
(11)	वित समत्तीकरण कुटा गहरीकरण, पशुवाडा, नया कुड़ी
(12)	येत व्यमतली करण, खुद्धा गहरीकरण, पशुवाडा, नया खुदें। के व्यव्यव्य में।
	व्हारीपा के सम्बन्ध में।
(13)	क्षियान यार के क्षेत्रक्य में।-
(14)	adalled all adalled to the contractions
. (15)	प्रिक्ती माता मिन्द्र के परकोटे निमाण के सक्षण्य में। - प्रिक्ती माता मिन्द्र के परकोटे निमाण के सक्षण्य में। -
<u> </u>	साव जातक कुआ का अंदिया करें के सम्बंध ने
(16)	किया भाषा भारत का तनकाद विभाग का नामने ते
1117	
	A service of the serv

		(Kamal)			Kamal
न्ताव हमाङ	प्रस्ताव जी रहे गी नहीं	प्रस्ताव जी पारित्रहरे	न्हलुमानित यात्रि	सम्बन्धित विभाग	हरताबार
(18.)	कामाजिक क्षेत्रीयम के	पुळ्वाय के ख्या १८ में पुरुवापित सामाधिक सुरी वियां —		ज्ञांब समा यगेला	ं निर्दिश
(到)	डायन प्रधा	कुरी वियां —			. प्रदीप
(ख) .(स)	भी ताजा भी ताजा व्याल विवाह	(स) डायन उथा पर रोड (स) भी वाल पर रोड (स) भी वाल पर रोड			510)31
(२)	वाल एवपाह	(द) बाल विवाह पर के			देवशभजी
		पर नियमण स्वे शेड लगाने पर प्रक्ताव की सर्व सम्मती से			भगवान
	, , ,	पारित किया गमा)			
		1 2 2 2			
-	गीव समा की कार्यवाही की उ निमालिस्कित लीगों की स्मीध	हत किया जाता हैं'	- 300	* ***	
	(1) जुन्नी लाल परमार		•		
	(१) विविश प्रभार (३) देवराम जी प्रमार (५) अवीव प्रमार	ļoi.			
	(5) गरीश प्रमार				
	की सम्पवाद देकर समा	का समापन हिमा ग्रामा			
	शिवद्यमा अस्प्रभी	वर्षाम् कारायाकरण			

विलेज प्लानिंग फेसिलिटेटर टीम (वीपीएफटी)

1.	प्रदीप परमार	9772744274
2.	जीवनप्रकाश परमार	7073117024
3.	रोहित कुमार	7568211856
4.	केसर	9950963776
5.	जितेन्द्र परमार	8875243794